अनुपम गुणाम्बुधि

रागम्: अठाण ताळम्: झम्प

(श्री त्यागराज विरचित)

पल्लवि

अनुपम गुणाम्बुधि यनि निन्नु नेरनम्मि
यनुसरिञ्चिन वाडनैति

अनुपल्लवि

मनुपकये युन्नावु मनुपती व्रासिमे
मनुप माकेवरु विनुमा दयरानि

चरणम्

जनलजामातवै जनकजा मातवै
जनक जालमु चालु चालुनु हरि ॥ १ ॥

कनकपटद्वर नन्नु कन कपटमेल तनु
कनकपडनमु सेतुगानि बूनि ॥ २ ॥

कललोन नीवे सकललोकनाथा को-
कल लोकुवग निच्चि गाचिनदि विनि ॥ ३ ॥

राजकुल कलशाब्धि राज सुरपाल गज-
राजरक्षक त्यागराजविनुत ॥ ४ ॥

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇